1 (Sem–6/FYUGP) HIN 64 MJ

2026

HINDI

(Major)

Paper : HIN0600404

(हिन्दी निबंध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) बालकृष्ण भट्ट किस युग के निबंधकार हैं?

(ख) 'पीपल' किसकी रचना है?

(ग) 'सुभान खाँ' रेखाचित्र किस रचना-संग्रह में संकलित है?

(घ) 'मोरे राम के भीजे मुकुटवा' से क्या तात्पर्य है?

(ङ) पाठ के अतिरिक्त सरदार पूर्ण सिंह द्वारा रचित किसी एक निबंध का नाम लिखिए।

(च) 'आलोचना' शब्द किस धातु से बना है?

(छ) 'रस मीमांसा' के लेखक कौन हैं?

(ज) 'तुम्हारी स्मृति' में माखनलाल चतुर्वेदी ने किसकी स्मृतियों को सँजोया है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) रेखाचित्र और संस्मरण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) भक्तिन के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) तांडव नृत्य के साथ तंडु मुनि का क्या संबंध है?

(घ) आलोचना की एक सर्वमान्य परिभाषा दीजिए।

(ङ) 'करुणा' निबंध के निबंधकार कौन हैं? उनके अनुसार करुणा का उल्टा क्या है?

(च) आलोचना शब्द के दो पर्याय लिखिए।

(छ) लेखक ने पीपल के पेड़ को 'हठी' क्यों कहा है?

(ज) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के दो प्रमुख आलोचनात्मक ग्रंथों के नाम लिखिए।

(झ) 'सुभान खाँ' रेखाचित्र का मुख्य संदेश क्या है?

(ञ) निबंध के दो प्रमुख तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'देवदारु' निबंध के शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'सुभान खाँ' के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ग) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा प्रतिपादित 'मानवतावाद' को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'तुम्हारी स्मृति' पाठ के आधार पर बाल गंगाधर तिलक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(ङ) आलोचना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(च) साधारणीकरण के संबंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल के विचार स्पष्ट कीजिए।

(छ) डॉ॰ रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

(ज) रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) पठित पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि महाकवि जयशंकर प्रसाद बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

(ख) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) हिन्दी आलोचना के क्षेत्र में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की देन पर आलोकपात कीजिए।

(घ) हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित। भला ऐसा अंधेर हो सकता है! जहाँ मालिक वहाँ नौकर-मालिक को ले जाकर बंद कर देने में इतना अन्याय नहीं; नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है।

★★★